निरखत | By Pragya Sharma |

दरबार, दरबार, दरबार सजा तेरा न्यारा
निरखत निरखत मैं हारा

सालासर थारो भवन विराजे
जालर शंख नगाड़ा बाजे
थारा सूरज सामी सा द्वारा
निरखत निरखत मैं हारा

दूर देश से चलकर आवाँ
नाचा गावाँ थाने रिझावाँ
थे हो भगताँ का पालनहारा
निरखत निरखत मैं हारा

चेत सुदी पूनम को मेलो
भगताँ को लागे है रेलो
थारे नाम का गूंजे जयकारा
निरखत निरखत मैं हारा

माँ अंजनी का लाल कहावो
राम की महिमा हरदम गावो
म्हारी नैया करियो भव पारा
निरखत निरखत मैं हारा

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a8%e0%a4%bf%e0%a4%b0%e0%a4%96%e0%a4%a4-by-pragya-sharma/